पाठ्यक्रम
एम०ए०–हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	क्रेडिट	परीक्षा योजना		
						आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
1.	1107	आदिकालीन एवं संत काव्य	4	1	5	20	80	100
2.	1108	कथा साहित्य	4	1	5	20	80	100
3.	1109	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	4	1	5	20	80	100
4.	1110	भाषा विज्ञान	4	1	5	20	80	100
5.	1112	प्रयोजनमूलक हिन्दी–I	4	1	5	20	80	100
6.	1113	मौखिकी	2	0	2	0	0	50
7.	1000	मूल्य शिक्षा	2	0	2	20	80	100

द्वितीय सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	क्रेडिट	परीक्षा योजना		
						आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
1.	2107	भक्ति काव्य	4	1	5	20	80	100
2.	2108	कथेतर गद्य विधाएँ	4	1	5	20	80	100
3.	2109	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	1	5	20	80	100
4.	2110	प्रयोजनमूलक हिन्दी-II	4	1	5	20	80	100
5.	2111 2112	विषयान्तर्गत ऐच्छिक पाठ्यक्रम : (किसी एक रचनाकार का चयन विद्यार्थियों द्वारा किया जायेगा) – 1. प्रेमचंद 2. जयशंकर प्रसाद	4	1	5	20	80	100
6.	2113	मौखिकी	2	0	2	0	0	50

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र
आदिकालीन एवं संत काव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क) व्याख्या भाग

- **चन्दवरदाई** : पृथ्वीराज रासो का रेवातट समय : संपादक कवि राव मोहन सिंह

- **विद्यापति :** विद्यापति वैभव : संपादक–रामसजन पाण्डेय
  निर्धारित पद –1, 2, 5, 6, 9, 10 ,14, 15, 16, 21, 22, 23, 24, 26, 28, 29, 30, 31, 37, 40, 41, 45, 46, 49, 50 =25 पद

- **कबीर** : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
  निर्धारित वाणी– 1, 2, 8, 12, 21, 22, 35, 36, 55, 64, 66, 69, 77, 78, 87, 101, 110, 115, 122, 123, 129, 130, 134, 135, 163 =25

- **रैदास :** संपादक : योगेन्द्र सिंह
  निर्धारित बानियाँ– 1, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 14, 15, 16, 17, 19, 22, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35 =25

खंड –ख) आलोचना भाग

भारतीय धर्म साधना का स्वरूप
भारतीय धर्म साधना में नाथ–सिद्धों का अवदान
रासो काव्य परम्परा, हिन्दी की प्रारम्भिक कविताः संवेदना और अभिव्यंजना
हिन्दी की संत काव्य परम्परा, संत काव्य परम्परा की पीठिका
प्रमुख संत कवियों का साहित्यिक अवादान

चन्दवरदाई
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता
पृथ्वीराज रासो का वस्तु–वर्णन
रेवातट समय का प्रतिपाद्य
रेवातट समय का शिल्प

विद्यापति
विद्यापति : भक्त या श्रृंगारी कवि
विद्यापति का श्रृंगार वर्णन
विद्यापति का सौन्दर्यबोध
विद्यापति की गीतियोजना
विद्यापति का काव्य–शिल्प

कबीर
कबीर की सामाजिक विचारधारा
कबीर की निर्गुणोपासना
कबीर की भक्ति

कबीर का दार्शनिक चिन्तन
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का काव्य–शिल्प

रैदास

रैदास की सामाजिक चेतना
रैदास की भक्ति भावना
रैदास की नैतिक चेतना

सहायक ग्रंथ

- पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ0 द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
- चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी ए हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद ।
- आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ, डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- विद्यापति का सौन्दर्यबोध–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली ।
- विद्यापति : व्यक्ति और कवि–डॉ0 रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
- विद्यापति–विश्वनाथ मिश्र, नन्द किशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी ।
- कालजयी कबीर–डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, गुरू नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर ।
- कबीर मीमांसा–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी ।
- कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व और सिद्धांत–डॉ0 सरनाम सिंह शर्मा, भारतीय शोध संस्थान, जयपुर
- मध्ययुगीन काव्य साधना–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या ।
- संत कबीर–रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।
- संत कवि दादू और उनका काव्य–वासुदेव शर्मा, शोध प्रबन्ध प्रकाशन, नई दिल्ली ।

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई 5 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
कथा साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क) व्याख्या भाग

गोदान – मुंशी प्रेमचन्द
बाणभट्ट की आत्मकथा – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित कहानियाँ –

उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
कफन	–	मुंशी प्रेमचन्द
आकाशदीप	–	जयशंकर प्रसाद
परदा	–	यशपाल
गैंग्रीन	–	अज्ञेय
पत्नी	–	जैनेन्द्र
वापसी	–	उषा प्रियंवदा
परिंदे	–	निर्मल वर्मा
राजा निरबंसिया	–	कमलेश्वर
कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
फैसला	–	मैत्रेयी पुष्पा
सलाम	–	ओमप्रकाश वाल्मीकि

खंड –ख) आलोचना भाग

गोदान
कृषक जीवन की पीड़ा महाकाव्य
युगीन समस्याओं का निरूपण
प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

बाणभट्ट की आत्मकथा
मूल संवेदना
प्रेम दर्शन
निपुणिका : नारी मुक्ति की आकांक्षा
बाणभट्ट की आत्मकथा में आधुनिकता

- विविध कहानी आन्दोलन :

नई कहानी
अकहानी
सहज कहानी
सचेतन कहानी
समानान्तर कहानी
सक्रिय कहानी
जनवादी कहानी
समकालीन कहानी

- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों की कहानी कला
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना

सहायक ग्रंथ

- प्रेमचंद और उनका युग : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
- प्रेमचंद : डॉ0 गंगा प्रसाद विमल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना : चंद्रकांत वाजपेयी ।
- हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
- हिंदी उपन्यास के प्रतिमान : डॉ0 शशिभूषण सिंहल, कला मंदिर, दिल्ली ।
- कहानी : नई कहानी–डॉ0 नामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद ।
- हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ0 इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ0 वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना।
- नई कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिंदी कहानी : रचना प्रकिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर ।
- हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश : मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई 5 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा ।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल और रीति काल)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

1 हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व – पीठिका

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा – निर्धारण

2 आदिकाल

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
रासो काव्य–परंपरा
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

3 भक्तिकाल

परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
भक्ति–आंदोलन
भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
(I) संत काव्य–धारा का वैशिष्ट्य
(II) सूफी काव्य–धारा का वैशिष्ट्य
(III) राम काव्य–धारा का वैशिष्ट्य
(IV) कृष्ण काव्य–धारा का वैशिष्ट्य
भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 रीतिकाल

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ –
(I) रीतिबद्ध
(II) रीतिसिद्ध
(III) रीतिमुक्त

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
- निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अतर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

- हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।
- आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 8 होगी । परीक्षार्थी को इनमें से किन्ही 4 प्रश्नो के उत्तर देनें होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा ।

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र
भाषा विज्ञान

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क) भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति

भाषा अध्ययन की दिशाएं –वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक
हिन्दी की उपभाषाएं : पूर्वी हिन्दी और उनकी बोलियां, पश्चिमी हिन्दी और उनकी बोलियां
हिन्दी के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण
काव्य भाषा के रूप में अवधि का विकास
काव्य भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का विकास
हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

खंड –ख)

ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया
स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं

खंड –ग)

शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण
वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप
भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य
वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना
वाक्य के प्रकार :
(i) रचना की दृष्टि से
(ii) अर्थ की दृष्टि से
हिन्दी का मानकीकरण

खंड –घ)

अर्थ : परिभाषा, शब्द–अर्थ संबंध
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं
भाषा और व्याकरण संबंध
नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण
हिन्दी : प्रचार–प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान
प्रमुख संस्थाओं का योगदान

सहायक ग्रंथ

- भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर–12, पंचकूला 2006 ई0
- भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2007 ई0
- हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2005 ई0
- भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 2006 ई0
- भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली – 2 2001 ई0
- हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई0
- हिंदी : उद्भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 1980 ई0
- सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1983 ई0
- व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना 2000 ई0
- आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली 2000 ई0

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 8 होगी। परीक्षार्थी को इनमें से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे । जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी–1 (हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क
प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा

- प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- राजभाषा हिंदी के प्रमुख रूप : प्रारूपण, टिप्पण, पत्र–लेखन, पल्लवन, संक्षेपण,
- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

खंड –ख
हिंदी कंप्यूटिंग

कंप्यूटर : परिचय और महत्व
कंप्यूटर : संरचनात्मक स्वरूप
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय
इंटरनेट समय मितव्ययिता का सूत्र
इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
इंटरनेट : कार्य प्रणाली एवं सुविधाएँ
मशीनी अनुवाद

सहायक पुस्तकें

- राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
- भाषा विज्ञान और मानक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली ।
- भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
- आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल शाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
- कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
- कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
- रेडियो और पत्रकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
- सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश :

1 पाठ्यक्रम के प्रत्येक खंड से चार–चार प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थियों को कुल 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक खंड से कम से कम 2–2 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्नपत्र
मौखिकी

पूर्णांक : 50 अंक

यह प्रश्न पत्र मौखिकी से सम्बन्धित होगा । विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम से मौखिकी देनी होगी, मौखिकी का मूल्यांकन बाह्य और आन्तरिक परीक्षक मिलकर करेंगे।

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र
भक्ति काव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क) व्याख्या भाग

- **जायसी** : पदमावत – नागमती वियोग खंड : संपादक राचन्द्र शुक्ल

- **सूरदास** : भ्रमरगीत सार : संपादक राचन्द्र शुक्ल
  निर्धारित पद– : 8, 21, 23, 24, 25, 29, 34, 38, 42, 52, 62, 64, 85, 97, 100, 121, 138, 156, 157, 162, 172, 175, 316, 390, 400 =25

- **तुलसीदास** : कवितावली : उत्तरकाण्ड– गीता प्रेस, गोरखपुर
  निर्धारित छंद – 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 37, 39, 40, 41, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 57, 84, 85, 96, 97 =25
- **मीराबाई** : मीरा पदावली : संपादक परशुराम चतुर्वेदी
  निर्धारित पद – : पद स० 1 से 25

खंड –ख) आलोचना भाग

भक्ति काव्य के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक कारण
भक्ति के विविध आयाम, भक्तिकाल के कवियों का साहित्यिक परिचय

जायसी
सूफीमत और जायसी
प्रेमाख्यानक परम्परा में जायसी का स्थान
पदमावत का महाकाव्यत्व
पदमावत : अन्योक्ति या समासोक्ति
जायसी का वियोग वर्णन

सूरदास
भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
सूर की भक्ति भावना
सूर का श्रृंगार वर्णन
सूर का वात्सल्य वर्णन
सूर की भाषा शैली
सूर की गीतियोजना
भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

तुलसीदास
कवितावली का काव्य रूप
कवितावली का काव्य सौष्ठव
कवितावली में युग चित्रण
तुलसीदास की प्रासंगिकता
तुलसीदास की भक्ति भावना

मीराबाई

कृष्ण काव्य परम्परा में मीरा का स्थान
मीरा की विद्रोह चेतना
मीरा की भक्ति के विविध रूप
मीरा का प्रेम निरूपण
मीरा के काव्य में लोकतत्व एवं गीति तत्त्व

सहायक ग्रंथ

- तुलसी दर्शन मीमांसा–उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
- तुलसीदास–चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
- तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी साहित्य संस्थान, रोहतक।
- तुलसी का मानस–डॉ0 मुंशीराम शर्मा, ग्रन्थम, कानपुर ।
- सूर और उनका साहित्य–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
- सूर की साहित्य साधना–डॉ0 भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरूण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा ।
- जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीरा का जीवन और काव्य –दो भाग) डॉ0 सी. एल. प्रभात, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
- मीरा का जीवन – अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई 5 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र
कथेतर गद्य विधाएं

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्ध : निबन्ध निकष – संपादक रामचन्द्र तिवारी

- साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है : बालकृष्ण भट्ट
- मजदूरी और प्रेम : अध्यापक पूर्ण सिंह
- कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढते हैं : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- अस्ति की पुकार हिमालय : विद्यानिवास मिश्र
- राष्ट्रीय संकट और साहित्य : डॉ० नगेन्द्र

खंड –ख

रामा, बिन्दा, घीसा, लछमा, बालिका माँ : महादेवी वर्मा कृत अतीत के चलचित्र से
अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन
अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

खंड –ग

हिन्दी गद्य के निर्माण भूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज
भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य : गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खां, सदासुख लाल,
शिव प्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह का परिचयात्मक अध्ययन

खंड –घ

भारतेन्दु युग : आधुनिकता और गद्य का अंतर्सम्बन्ध
हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व
गद्य विधाओं का परिचय –
हिन्दी निबन्ध रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, रिपोतार्ज, आत्मकथा, जीवनी, व्यंग्य, डायरी तथा आलोचना

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग, हाउस, दिल्ली
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतेन्दुयुग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आर्चाय रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- सामाजिक क्रांति के दस्तावेज : सं– शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी साहित्य आधा इतिहास : सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य का इतिहास : रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

निर्देश –

1 खंड क और खंड ख में निर्धारित पाठ्यक्रम से 4 अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं 2 अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंक का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 5 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

1 आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास
परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक
1857 ई0 की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण

2 भारतेंदु युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

3 द्विवेदी युग : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

4 छायावादी काव्य : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

5 उत्तर छायावादी काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
प्रयोगवाद : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नई कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
नवगीत : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
समकालीन कविता : प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

6 हिंदी गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास

कहानी	उपन्यास
नाटक	निबंध
संस्मरण	रेखाचित्र
जीवनी	आत्मकथा
रिपोर्ताज	

7 हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास

8 दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

9 उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद ।
- हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
- हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
- मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद ।
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
- निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ0 रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ0 हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ ।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।

- आधुनिक हिन्दी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

<u>निर्देश –</u>

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा । पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 8 होगी। परीक्षार्थी को इनमें से कोई 4 प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 48 अंकों का होगा ।

2 पूरे पाठ्यक्रम से कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा । पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी–2 –(अनुवाद सिद्धान्त और मीडिया)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित परीक्षा : 80 अंक

खंड –क) अनुवाद सिद्धान्त

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रक्रिया
- हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार
  (i) काव्यानुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
  (ii) गद्य विधाओं का अनुवाद और उससे संबंधित समस्याएँ
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद
- ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी अनुवाद

खंड –ख) मीडिया

- जन संचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
  जनसंचार माध्यम :
- मुद्रण –(प्रिंट मीडिया) समाचार पत्रो का साहित्यिक स्वरूप
- श्रव्य माध्यम आकाशवाणी का भाषिक एवं साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य माध्यम –दूरदर्शन, चलचित्र आदि का भाषिक और साहित्यिक स्वरूप
- दृश्य–श्रव्य तत्व और उनका सामंजस्य
- फीचर : परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा और विज्ञापन अनुवाद

खंड –ग) पारिभाषिक शब्दावली का व्यावहारिक सन्दर्भ

- भाषाविज्ञान की शब्दावली
- मानविकी शब्दावली
- प्रशासनिक शब्दावली
- कंप्यूटर की शब्दावली

सहायक ग्रंथ

- राजभाषा हिंदी–कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- प्रशासनिक हिंदी, महेशचन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- भाषा और भाषा विज्ञान, डॉ0 नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
- भाषा और भाषा विज्ञान–डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक ।
- आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचन्द पातंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड आपरेटिंग गाइड–शशांक जौहरी पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।
- कंप्यूटर : सिद्धांत और तकनीक, राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली ।

- कंप्यूटर और हिंदी–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
- रेडियो और पत्राकारिता–हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
- सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार, दिल्ली।

निर्देश :

1 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से 4 प्रश्नों के उत्तर देना होगा, लेकिन प्रत्येक खंड से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 48 अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को 250 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3 खंड ग में निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली में से 8 अंग्रेजी शब्द दिए जाएंगे । परीक्षार्थियों को 8 शब्दों के हिंदी पारिभाषिक रूप लिखने होंगे। प्रत्येक उत्तर एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प–I : प्रेमचंद

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

क व्याख्या भाग

- रंगभूमि (उपन्यास)
- कर्मभूमि (उपन्यास)
  प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ सम्पा0 भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- निर्धारित कहानियाँ –
  बडे भाई साहब, ईदगाह, पूस की रात, सवा सेर गेहूँ,
  बडे घर की बेटी, शतरंज के खिलाडी, ठाकुर का कुँआ,
  दो बैलों की कथा, सद्गति, पंच परमेश्वर

ख आलोचना भाग

- प्रेमचंद का जीवन – वृत्त (कलम का सिपाही एवं प्रेमचंद घर में के विशेष संदर्भ में)
- प्रेमचंद का कृतित्व और लेखकीय जीवन की विकास रेखा
- राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद
- हिंदी कहानी के विकास में प्रेमचंद का योगदान
- प्रेमचंद की कहानियों में युगीन यथार्थ
- प्रेमचंद पूर्व उपन्यास – परम्परा
- प्रेमचंद के उपन्यासों में सामाजिक – चेतना
- प्रेमचंद का औपन्यासिक शिल्प
- रंगभूमि में गाँधीवादी दर्शन
- कर्मभूमि में राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन
- हिंदी उपन्यास को प्रेमचंद का योगदान

सहायक ग्रंथ

- अमृतराय : कलम का सिपाही, प्रेमचंद की प्रासंगिकता
- शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में
- रामविलास शर्मा : प्रेमचंद एक विववेचन
- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी संपा0 : प्रेमचंद
- कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
- नन्द किशोर नवल : प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्रा
- रामबक्ष : प्रेमचंद और भारतीय किसान
- मदन गोपाल : कलम का मजदूर

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आन्तरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को उनमें से तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई 5 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : विशेष रचनाकार
विकल्प (II) : जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100 अंक
आंतरिक मूल्यांकन : 20 अंक
लिखित : 80 अंक

क व्याख्या भाग :

- चन्द्रगुप्त (नाटक)
- तितली (उपन्यास)
- कामायनी – (चिंता, श्रद्धा, आनन्द सर्ग)
- जयशंकर प्रसाद –
- निर्धारित कहानियाँ – ग्राम, आँधी, मधुवा, पुरस्कार, इन्द्रजाल, छोटा जादूगर, गुंडा

ख आलोचना भाग

- प्रसाद : जीवनी और कृतित्व
- प्रसाद और उनका युग
- प्रसाद की जीवन
- प्रसाद की काव्य संवेदना
- प्रसाद की काव्य कला
- कामायनी का रूपक तत्व
- कामायनी की प्रासंगिकता
- हिंदी नाट्य परम्परा और प्रसाद
- प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना
- प्रसाद के नाटकों में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय
- प्रसाद और रंगमंच
- हिंदी कहानी परंपरा और प्रसाद
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना
- प्रसाद की गद्यभाषा
- तितली उपन्यास : मानवीय मूल्य, नारी चित्रण, प्रेम का आर्दश स्वरूप, ग्रामीण समस्या चित्रण

सहायक ग्रंथ

- नन्द दुलारे वाजपेयी : जय शंकर प्रसाद
- मुक्तिबोध : कामायनी एक पुनर्विचार
- नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ
- प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य
- रामलाल सिंह : कामायनी – अनुशीलन
- वेदज्ञ आर्य : कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
- गिरिजाराय : कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
- सिद्धनाथ कुमार : प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन
- गोविन्द चातक : प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना
- गिरीश रस्तोगी, जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव : प्रसाद का कथा साहित्य
- सूर्य प्रसाद दीक्षित : प्रसाद का गद्य

निर्देश

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आन्तरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा । परीक्षार्थी को उनमें से तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा ।

2 खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई 5 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए 12 अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न 36 अंक का होगा ।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्नपत्र
मौखिकी

पूर्णांक : 50 अंक

यह प्रश्न पत्र मौखिकी से सम्बन्धित होगा । विद्यार्थी को पूरे पाठ्यक्रम से मौखिकी देनी होगी, मौखिकी का मूल्यांकन बाह्य और आन्तरिक परीक्षक मिलकर करेंगे।